Page No.:
Date : / /

शैक्षिक नेतृत्व के सिद्धान्त →

किसी भी शिक्षण संस्थान के उचित विकास एवं गतिशील बनाने के लिए यह आवश्यक है कि उचित एवं सही नेतृत्व किया जाय। अतः एक प्रभावशाली नेतृत्व की आवश्यकता महसूस होती है नेतृत्व को प्रभावशाली बनाने के दृष्टि कूण्टज एवं ओ'डोनेल ने निम्नांकित नियम बताये है।

1 निर्देशन एवं नेतृत्व का सिद्धान्त
2 प्रत्यक्ष एवं पर्यवेक्षण का सिद्धान्त
3 उद्देश्यो की समंजस्यता का सिद्धान्त
4 अभिप्रेरणा का सिद्धान्त
5 आदेश की एकता का सिद्धान्त
6 नियन्त्रण के विस्तार का सिद्धान्त
7 नेतृत्व के गुण का सिद्धान्त

नेतृत्व के कार्य →

शैक्षिक नेतृत्व के लिए एक नेता को शैक्षिक संस्थानो के कार्यो का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक होता है।

तभी वह शैक्षिक संस्थान सही एवं सुसंगठित ढंग से कार्य कर सकता है इसके अन्तर्गत वे सभी कार्य सम्मिलित किये जाते हैं। जिनके द्वारा संस्थान का सर्वांगीण विकास किया जाता है। नेता द्वारा विशिष्ट कार्य करने से शैक्षिक नेतृत्व की क्षमता में और अधिक वृद्धि होती है। अतः